एंबुलेंस को मिला ग्रीन कॉरिडोर

गोरखपुर (एसएनबी)। जिला अस्पताल बस्ती से चली 108 नम्बर एंबुलेंस सेवा को गोरखपुर शहर में ग्रीन करिडोर देकर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र की जान बचा ली गयी। घायल के सिर में गंभीर चोट लगी थी और उनका ब्लड प्रेसर लगातार नीचे जा रहा था। चिकित्सक की सलाह पर उनके दोस्त बिंदा ने 108 नम्बर एंबुलेंस को काल किया था।

उन्नाव के रहने वाले बिंदा ने बताया कि चारपहिया वाहन से वह माल डिलेवरी करने बस्ती में आए थे कि मुंडेरवा के पास उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गयी। बिंदा को तो हल्की चोट लगी लेकिन उनके दोस्त का सिर शीशे से लड़ गया और खून आने लगा। टेम्पो में लेकर जिला अस्पताल बस्ती पहुंचे। वहां बीपी का स्तर नीचे जाने लगा। चिकित्सक ने 108 एंबुलेंस को काल करने का सुझाव दिया। 10 मिनट में पायलट विजय कुमार वर्मा जिला अस्पताल में एंबुलेंस लेकर पहुंच गये। एंबुलेंस के ईएमटी मृणाल सागर चौधरी ने बताया कि जब उन्होंने मरीज की स्थिति को देखा तो फौरन इसकी सूचना प्रोग्राम मैनेजर विवेक दूबे को दी। विवेक दूबे ने गोरखपुर के प्रोग्राम मैनेजर प्रवीण कुमार द्विवेद्वी को सूचना दी और आग्रह किया कि ग्रीन करिडोर तैयार करवाया जाए। प्रवीण और विवक के प्रयासों से आईटीएमएस के आरक्षी नौसाद ने करिडोर तैयार किया । नौसढ़ से लेकर मेडिकल कालेज की दूरी तय करने में ट्रैफिक की स्थिति में 45 मिनट तक लग जाते हैं। बिंदा ने बताया कि छह अगस्त को भी ट्रैफिक काफी ज्यादा था। ईएमटी ने बताया कि नौसाद ने न केवल ग्रीन करिडोर बनवाया बल्कि एंबुलेंस को रूट भी बताते रहे और एंबुलेंस शहर के भीतर 20 मिनट में मेडिकल कालेज तक पहुंच सकी। समय से इलाज मिला और उनके मित्र की जान बच गयी। एसपी ट्रैफिक डा. एमपी सिंह का कहना है कि अति गंभीर मरीजों को गोरखपुर शहर में लाने वाली प्रत्येक सरकारी एंबुलेंस को ग्रीन करिडोर की सुविधा दी जा रही है । इसके लिए एंबुलेंस के स्टाफ को घटनास्थल पर पहुंचने के बाद ही ट्रैफिक पुलिस को वाट्स एप एवं काल के जरिये सूचित करना होता है। सूचना मिलने के बाद आईटीएमएस की टीम समन्वय स्थापित कर एंबुलेंस को सही रास्ता बताती है और ग्रीन करिडोर भी बनवाती है।

सड़क दुर्घटना में घायल धर्मेंद्र की बच गयी जान, घायल के मित्र ने चिकित्सक की सलाह पर बुलायी थी 108 नम्बर एंबुलेंस